भजन

यहाँ कोई नहीं पिया तेरे सिवा,
इक हूक सी दिल में गूंजे सदा
पिया अरस परस फिर हो जाओ,
हो जाओ हो जाओ
१ मेरा दर्द तेरा दिल है,ये मैं जानती या तुम हो
मेरे दिल की तूं है धड़कन, ये मैं जानती या तुम हो
मेरे अश्कों में भी तुम हो,ये मैं जानती या तुम हो
२ तेरे दिल की इक कली हूँ,खिलती हूँ तेरे इश्क से
इश्क का प्रेम पाकर,झूमूं ये रसना पीके
तब किसको कौन रिझावे,ये मैं जानती या तुम हो
३ मेरी रूह की रूह चरन ये,जिसे राखूं तारों नैनन
पलकें फिर बंद कर के,करूं वोह जो भी मैं चाहूँ
येही बातें न कोई जाने,ये मैं जानती या तुम हो
४ पिया प्यार मेरा तुम हो,यह तो जमाना जाने
किस किसको क्या खबर है,यह तो जमाना जाने
मेरी रूह की जो तड़प है,ये मैं जानती या तुम हो
५ पिया मेहरों के हो सागर,मेहर सभी पे करते
जिस जिस की जो है चाहत,सब पूरी तुम हो करते
मेरी चाहत तो बस ईक है,ये मैं जानती या तुम हो